Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

जून 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश

- ➢ प्रोजेक्ट चीता 3
- ➢ NOTA वोट 4
- ➢ गांधी सागर अभयारण्य में चीतों का पुनर्वास 4
- ➢ बिहार में सतत् विकास 5
- ➢ बोरवेल से होने वाली मौतों को रोकने के लिये विधेयक 6
- ➢ हैजा का प्रकोप 6
- ➢ मध्य प्रदेश की नई अंतर-राज्यीय हवाई सेवा 7
- ➢ एवियन इन्फ्लूएंज़ा संकट से निपटने की तैयारी 8
- ➢ डिजिटल फसल सर्वेक्षण 9
- ➢ मध्य प्रदेश: भारत का बाघ राज्य 10
- ➢ स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल होगा 'आपातकाल' अध्याय 10
- ➢ मध्य प्रदेश के स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी 11

दृष्टि The Vision

नोट :

मध्य प्रदेश

प्रोजेक्ट चीता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **केन्याई प्रतिनिधिमंडल ने** भारत का दौरा किया तथा **वन्यजीव संरक्षण प्रयासों पर सहयोग पर चर्चा की**, जिसमें चल रहे **चीता पुनर्वास परियोजना** (**प्रोजेक्ट चीता**) पर विशेष ज़ोर दिया गया।

मुख्य बिंदु

- प्रतिनिधिमंडल ने **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** के समक्ष सहयोग का प्रस्ताव करते हुए एक मसौदा समझौता ज्ञापन प्रस्तुत किया।
  - क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करने के साथ-साथ इसमें **क्षेत्रीय गश्त एवं वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिये** केन्याई वन रेंजरों को उपकरण आपूर्ति करने का प्रावधान भी शामिल है।
- **प्रोजेक्ट चीता:**
  - परियोजना का **पहला चरण वर्ष** 2022 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश में **वर्ष** 1952 में विलुप्त घोषित किये गए चीतों की आबादी को बहाल करना है।
    - इसमें **दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से चीतों को कुनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित करना शामिल है।
    - यह परियोजना NTCA द्वारा मध्य प्रदेश वन विभाग और **भारतीय वन्यजीव संस्थान (Wildlife Institute of India- WII)** के सहयोग से कार्यान्वित किया गया है।

- परियोजना के **दूसरे चरण** के अंतर्गत भारत समान आवासों के कारण **केन्या** से चीते मंगाने पर विचार कर रहा है।
  - चीतों को **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** और **गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश)** में स्थानांतरित किया जाएगा।

NOTA वोट

चर्चा में क्यों?

हाल के आम चुनावों में इंदौर में देश में सबसे अधिक **NOTA (इनमें से कोई नहीं) वोट** 2,18,674 दर्ज किये गए।

मुख्य बिंदु:

- इंदौर लोकसभा सीट पर कुल पड़े वोटों में से 16.28% वोट NOTA के खाते में गए।
  - राष्ट्रीय स्तर पर कुल 5,33,705 मतदाताओं ने NOTA (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प चुना, जिसमें सबसे अधिक 2,18,674 वोट इंदौर सीट पर दर्ज किये गए।
  - इंदौर में 25.27 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 61.75% ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें से 13,43,294 मत वैध पाए गए। इनमें से 16.28% मत NOTA को गए। वर्ष 2019 में इंदौर में 69% मतदान हुआ था, जिसमें 5,045 मतदाताओं ने NOTA का विकल्प चुना था।
- एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, NOTA का एक **"प्रतीकात्मक" प्रभाव** होता है और **यदि किसी सीट पर इसे 50% से अधिक वोट मिलते हैं, तभी चुनाव परिणामों पर इसे कानूनी रूप से प्रभावी बनाने पर विचार किया जा सकता है।**

NOTA

- NOTA विकल्प **पहली बार वर्ष 2014** के आम चुनावों में पेश किया गया था।
- NOTA का **कोई कानूनी प्रभाव नहीं है,** क्योंकि अगर किसी सीट पर सबसे ज़्यादा वोट NOTA को मिले हों, तो दूसरा सबसे सफल उम्मीदवार जीत जाता है।
- **हरियाणा में NOTA को एक काल्पनिक उम्मीदवार माना गया है।**

गांधी सागर अभयारण्य में चीतों का पुनर्वास

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार ने **गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य** को **चीतों** के लिये नया आवास बनाने की तैयारियाँ पूरी कर ली हैं।

मुख्य बिंदु:

- केन्या और दक्षिण अफ्रीका की टीमों ने **चीतों के पुनर्वास** के लिये स्थितियों का आकलन करने हेतु पहले ही गांधी सागर का दौरा किया था।
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **राज्य वन्यजीव बोर्ड** की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें बताया गया कि तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।
- **कान्हा, सतपुड़ा और संजय बाघ अभ्यारण्यों** से शिकार जानवरों को गांधी सागर में स्थानांतरित किया गया।
- महत्त्वाकांक्षी चीता पुनर्वास परियोजना के तहत, 17 सितंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में **कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP)** में **आठ नामीबियाई चीता**, पाँच मादा और तीन नर को बाड़ों में रखा गया।
- फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते लाए गए।
- बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मध्य प्रदेश के वनों में **गैंडे** और अन्य दुर्लभ एवं संकटग्रस्त वन्य जीवों को लाने की संभावनाओं पर अध्ययन करने के निर्देश दिये।
- **मंदसौर ज़िले में गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य** श्योपुर में कुनो राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 270 किमी. दूर है।
- चीतों का दूसरा निवास स्थल 64 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

नोट :

कान्हा टाइगर रिज़र्व

- कान्हा टाइगर रिज़र्व **मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला (Mandla) और बालाघाट (Balaghat)** में 940 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- वर्तमान कान्हा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र पूर्व में **दो अभयारण्यों- हॉलन (Hallon) और बंजार (Banjar) में विभाजित था। वर्ष 1955 में इसे कान्हा नेशनल पार्क का दर्जा दिया गया तथा वर्ष 1973 में कान्हा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया।**
  - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य भारत का **सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।**

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व

- सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व मध्य प्रदेश के **होशंगाबाद ज़िले** में है। **बाघ संरक्षण केंद्र** के रूप में प्रसिद्ध यह क्षेत्र **वन्यजीवों और वनस्पति विविधता से भी समृद्ध** है।
- बाघ के अलावा यहाँ **तेंदुआ, इंडियन बाइसन, इंडियन जायंट स्क्वीरल, सांभर, चीतल, हिरण, नीलगाय, लंगूर, भालू, जंगली सूअर** सहित विभिन्न वन्यजीव पाए जाते हैं।
- इसमें ऐतिहासिक और **पुरातात्त्विक महत्त्व** की 300 से अधिक गुफाएँ हैं।

संजय टाइगर रिज़र्व

- संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिज़र्व की **स्थापना वर्ष 1975 में** ज़िले के जैवविविधता से समृद्ध वन क्षेत्र के संरक्षण के लिये की गई थी। इसमें **सदाबहार साल के वन** शामिल हैं।
- यहाँ पाई जाने वाली प्रमुख प्रजातियाँ हैं **बाघ, भालू, चीतल, नीलगाय, चिंकारा, सांभर (पहाड़ी इलाकों तक सीमित और बहुत कम संख्या में), तेंदुआ, ढोल (जंगली कुत्ता), जंगली बिल्ली, लकड़बग्घा, साही, सियार, लोमड़ी, इंडियन वुल्फ, अजगर, चार सींग वाला मृग तथा बार्किंग डियर।**

बिहार में सतत् विकास

चर्चा में क्यों?

कॉर्नेल विश्वविद्यालय में **टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड न्यूट्रिशन (TCI)** के अनुसार, बिहार **कृषि क्षेत्र** में तीन परिवर्तनकारी तकनीकों को लागू करके **सतत् विकास** की दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रगति कर सकता है।

मुख्य बिंदु:

- नीति संक्षिप्त में इस बात पर बल दिया गया है कि बिहार **चावल उत्पादन और पशु-पालन** से जुड़े **ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन** को कम कर सकता है, उत्पादकता को बनाए रखते हुए यहाँ तक कि सुधार भी कर सकता है।
- नीति संक्षिप्त में TCI की **शून्य-भूख, शून्य-कार्बन खाद्य प्रणाली परियोजना** के भीतर किये गए एक अध्ययन पर चर्चा की गई है, जिसका उद्देश्य उत्पादकता के स्तर को बनाए रखते हुए बिहार में कृषि उत्सर्जन को कम करने की रणनीति विकसित करना है।
  - भारत के GHG उत्सर्जन में राष्ट्रीय स्तर पर कृषि का योगदान 20% है, जिसमें बिहार **कुपोषण** से प्रभावित राज्यों में से एक है, खासकर छोटे बच्चों में।
- TCI शोध के अनुसार, बिहार **धान की कृषि के लिये वैकल्पिक नमी और शुष्कता, मवेशियों के प्रजनन के लिये उन्नत कृत्रिम गर्भाधान** तथा अपने **पशुधन क्षेत्र में एंटी-मीथेनोजेनिक फीड सप्लीमेंट्स** को अपनाकर प्रत्येक वर्ष 9.4-11.2 मीट्रिक टन उत्सर्जन कम कर सकता है।
- शोध से पता चलता है कि वैकल्पिक नमी और शुष्कता, उन्नत प्रजनन तकनीक तथा **एंटी-मीथेनोजेनिक फीड** बिहार को उत्पादकता को नुकसान पहुँचाए बिना अपने कृषि उत्सर्जन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

- **नीति में बिहार के चार कृषि जलवायु क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिये उत्सर्जन में कमी का विवरण प्रस्तुत किया गया। वैकल्पिक नमी और शुष्कता के लिये बिहार के दक्षिण-पश्चिम एवं उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में सबसे अधिक संभावित शमन स्तर हैं।**
- **बिहार के चार कृषि जलवायु क्षेत्र:** ज़ोन-I, उत्तरी जलोढ़ मैदान, ज़ोन-II, उत्तर पूर्व जलोढ़ मैदान, ज़ोन-III A दक्षिण पूर्व जलोढ़ मैदान और ज़ोन-III B, दक्षिण पश्चिम जलोढ़ मैदान।

नोट: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने एंटी-मीथेनोजेनिक फ़ीड सप्लीमेंट '**हरित धारा**' (HD) विकसित किया है, जो **मवेशियों के मीथेन उत्सर्जन को 17-20% तक कम** कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप दुग्ध उत्पादन भी बढ़ सकता है

बोरवेल से होने वाली मौतों को रोकने के लिये विधेयक

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार एक **विधिक प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया में** है, जिसे **भारत में अपनी तरह का पहला कानून** माना जा रहा है, जिसका **उद्देश्य खुले बोरवेल से होने वाली मौतों को रोकना** है।

- पिछले सात महीनों में मध्य प्रदेश में नौ से अधिक ऐसी घटनाएँ दर्ज की गई हैं।

मुख्य बिंदु:

- सुझाए गए कानून में **ऐसी आपदाओं को रोकने**, ऐसी आपदा होने पर इससे किस प्रकार निपटना है और जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया के बारे में **विशेष निर्देश** होंगे।
- विधेयक में **खुले और सूखे बोरवेल की पहचान कर** उन **लोगों पर भारी जुर्माना** लगाने की बात कही गई है जो **उन्हें बंद करने या भरने में विफल रहते हैं, जिससे बोरवेल खतरे का कारण बन जाते हैं।**
- अगर बोरवेल निजी ज़मीन पर है, तो ज़मीन के मालिक पर जुर्माना लगाया जाएगा। अगर यह सरकारी ज़मीन है, तो **संबंधित विभाग और अधिकारी को दंडित किया जाएगा।**
  - दूसरे चरण में **अगर कोई व्यक्ति खुले बोरवेल में गिरता है, तो आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज** किया जाएगा। अभी तक, आरोपी पर लापरवाही का मामला दर्ज किया जाता है। नए कानून के तहत, **आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।**
- भूमि मालिक या सरकारी अधिकारी के अलावा बोरवेल खोदने वाली एजेंसी की भी ज़िम्मेदारी तय की जाएगी।
- **नागरिकों** के लिये एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिससे वे **खुले बोरवेल के बारे में सरकार को सूचित कर सकें, ताकि निवारक कार्रवाई की जा सके।**

हैजा का प्रकोप

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भिंड ज़िले के फूप कस्बे में सहसा हैजा संक्रमण** से **आमजनों में दहशत** फैल गई, जिसके परिणामस्वरूप कथित तौर पर तीन लोगों की मौत हो गई और कम-से-कम 70 लोग दूषित पानी पीने से बीमार पड़ गए।

मुख्य बिंदु:

- हैजा, एक **जल जनित बीमारी** है **जो मुख्य रूप से विब्रियो कोलेरा बैक्टीरिया स्ट्रेन O1 और O139 के कारण होती है,** जो विश्व भर में एक बहुत बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है।
  - स्ट्रेन O1 प्रकोप का प्रमुख कारण है, O139 की घटनाएँ यदा-कदा होती हैं और अधिकतर एशिया तक ही सीमित हैं।

- यह **आँत के संक्रमण के कारण होने वाली एक तीव्र दस्त रोग** है।
- इसका **संक्रमण प्रायः हल्का या बिना लक्षणों वाला** होता है, लेकिन कभी-कभी गंभीर हो सकता है।
- **लक्षणों में अत्यधिक दस्त, उल्टी/वमन, पैर में ऐंठन** शामिल हैं।
- एक व्यक्ति **हैजा के जीवाणु से दूषित जल पीने या भोजन खाने से हैजा से संक्रमित** हो सकता है।
- यह बीमारी **उन क्षेत्रों में तेज़ी से फैल सकती है जहाँ सीवेज और पेय जल का अपर्याप्त उपचार** किया **जाता है।**
- वर्तमान में **तीन WHO प्री-क्वालिफाइड ओरल हैजा वैक्सीन (OCV) हैं: डुकोरल, शांचोल** और **यूविकोल-प्लस।** तीनों वैक्सीन को पूर्ण सुरक्षा के लिये दो खुराक की आवश्यकता होती है। वर्ष 2030 तक के लिये एक वैश्विक रोडमैप, जिसका **लक्ष्य हैजा से होने वाली मौतों को 90% तक कम करना है,** वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था।

मध्य प्रदेश की नई अंतर-राज्यीय हवाई सेवा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश** के मुख्यमंत्री ने भोपाल से जबलपुर तक पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर '**पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा**' नाम से अंतर-राज्यीय हवाई सेवा का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदुः

- मध्य प्रदेश के **भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो और सिंगरौली** शहर जल्द ही **हवाई यात्रा से जुड़ जाएंगे।**
- अधिकारियों के अनुसार, हवाई संपर्क बढ़ाने के लिये **30 दिनों की अवधि के लिये किराए में 50% की छूट दी जाएगी।**
- **मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (MPTB)** हवाई सेवा का प्रबंधन करेगा। यह सेवा मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (Flyola) के साथ **सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से संचालित की जा रही है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी (Public-Private Partnership- PPP) मॉडल

- यह सार्वजनिक संपत्ति और/या सार्वजनिक सेवाओं के प्रावधान के लिये **सरकार एवं निजी क्षेत्र के मध्य एक व्यवस्था** है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी बड़े पैमाने पर सरकारी परियोजनाओं, जैसे सड़कों, पुलों, या अस्पतालों को **निजी वित्तपोषण के साथ पूरा करने** की अनुमति देती है।
- इस प्रकार की साझेदारी में,निजी क्षेत्र की संस्था द्वारा एक **निर्दिष्ट अवधि के लिये निवेश** किया जाता है।
- ये साझेदारियाँ तब अच्छी तरह से कार्य करती हैं जब **निजी क्षेत्र की प्रौद्योगिकी और नवाचार को समय पर और बजट के भीतर कार्य पूरा करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के प्रोत्साहनों** के साथ जोड़ा जाता है।
- चूँकि PPP मॉडल में सेवाएँ प्रदान करने के लिये **सरकार द्वारा ज़िम्मेदारी का पूर्ण प्रतिधारण** शामिल है, यह निजीकरण की प्रक्रिया नहीं है।
- इसमें निजी और सार्वजनिक इकाई के मध्य **जोखिम का एक सुव्यवस्थित तरीके से आवंटन** होता है।
- निजी इकाई को **खुली प्रतिस्पर्द्धी बोली के आधार** पर चुना जाता है और वह प्रदर्शन आधारित भुगतान प्राप्त करती है।
- PPP मार्ग उन विकासशील देशों में एक विकल्प हो सकता है, जहाँ सरकारों को **महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिये ऋण लेने में विभिन्न बाधाओं का सामना** करना पड़ता है।
- यह बड़ी परियोजनाओं की **योजना बनाने या उन्हें क्रियान्वित करने में आवश्यक विशेषज्ञता** भी प्रदान कर सकता है।

एवियन इन्फ्लूएंज़ा संकट से निपटने की तैयारी

चर्चा में क्यों?

पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी मंत्रालय तथा विश्व बैंक ने हाल ही में राष्ट्रीय तथा विश्व स्तर पर सामने आए एवियन इन्फ्लूएंज़ा या बर्ड फ्लू के मामलों के मद्देनजर तैयारी में सुधार लाने के लिये मध्य प्रदेश में दो दिवसीय अनुकरण अभ्यास का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित इस अभ्यास में विभिन्न क्षेत्रों के 40 प्रतिभागियों ने **महामारी की पहचान, त्वरित प्रतिक्रिया विधियों और एवियन फ्लू के प्रसार से निपटने के लिये अंतर-एजेंसी सहयोग का अभ्यास किया।**
- यह **अभ्यास केरल में एवियन फ्लू के प्रकोप** तथा **मवेशियों जैसी गैर-पोल्ट्री प्रजातियों को प्रभावित करने वाले** वैश्विक स्तर पर बढ़ते मामलों के प्रतिक्रिया स्वरूप **आयोजित किया गया** था।
- कार्यक्रम में संकट प्रबंधन अनुभव प्रदान करने के लिये **वास्तविक प्रकोप स्थितियों की नकल करते हुए संवादात्मक परिदृश्य** शामिल थे
- इस अनुकरण का नेतृत्व **विश्व बैंक के वरिष्ठ कृषि अर्थशास्त्री हिकुएपी काटजिओंगुआ** और विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन **के विशेषज्ञ फ्रैंक वोंग ने किया,** जिसका लक्ष्य पशु तथा मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव को कम करना था।

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन

- यह विश्व में पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हेतु उत्तरदायी एक **अंतर-सरकारी संगठन** है।
- वर्ष 2018 में कुल **182 देश इसके सदस्य** थे। **भारत इसके सदस्य देशों में से एक है।**
- यह नियमों से संबंधित **मानक दस्तावेज़ विकसित** करता है जिसका उपयोग सदस्य देश बीमारियों और रोगाणुओं के प्रवेश से खुद को बचाने के लिये कर सकते हैं। उनमें से एक स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता है।
- इसे विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा संदर्भित संगठन (Reference Organisation) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसका मुख्यालय **पेरिस, फ्राँस** में है।

एवियन इन्फ्लूएंज़ा

- **परिचय:**
  - एवियन इन्फ्लूएंज़ा, **जिसे प्रायः बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाता है,** एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से **पक्षियों,** विशेषकर **जंगली पक्षियों और घरेलू मुर्गियों** को प्रभावित करता है।
  - वर्ष 1996 में अत्यधिक **रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंज़ा** H5N1 वायरस सर्वप्रथम दक्षिणी चीन में घरेलू जलपक्षियों में पाया गया था
  - इस वायरस का नाम A/goose/Guangdong/1/1996 रखा गया है।
- **मनुष्यों में संचरण और संबंधित लक्षण:**
  - **H5N1** एवियन इन्फ्लूएंज़ा के मानव मामले कभी-कभी होते हैं, लेकिन संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलाना मुश्किल होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जब लोग इससे संक्रमित होते हैं तो **मृत्यु दर लगभग 60% होती है।**
  - यह **बुखार, खाँसी** और **मांसपेशियों में दर्द** सहित **हल्के फ्लू जैसे लक्षणों** से लेकर निमोनिया, **साँस लेने में कठिनाई जैसी गंभीर श्वसन समस्याओं** तथा यहाँ तक कि कुप्रभावित मानसिक स्थिति एवं दौरे जैसी संज्ञानात्मक समस्याओं तक विस्तृत हो सकता है।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खरीफ सीज़न से पूरे राज्य में डिजिटल फसल सर्वेक्षण परियोजना शुरू करने की घोषणा की है।

- यह कार्यक्रम किसानों को **उन्नत प्रौद्योगिकी** का उपयोग करके अपनी **गिरदावरी (नियमित फसल निरीक्षण)** देखने की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे **फसल क्षति** के लिये **त्वरित बीमा भुगतान** सुनिश्चित होगा और किसान क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेज़ी आएगी।

मुख्य बिंदु:

- **डिजिटल फसल सर्वेक्षण** पहल में ग्रामीण क्षेत्रों के युवा व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा, जो जियो-फेंसिंग जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग करेंगे।
    - यह कुशल विधि **खेत में फसल की तस्वीरें लेने की प्रक्रिया** को सरल बनाएगी।
    - सर्वेक्षक द्वारा ली गई **प्रत्येक तस्वीर** में **भौगोलिक निर्देशांक संलग्न होंगे,** जिससे आवश्यक क्षेत्रीय दौरा सुनिश्चित होगा तथा फसल की स्थिति का फोटोग्राफिक प्रमाण उपलब्ध होगा।
    - यह व्यवस्था किसानों को अपने भूमि अभिलेखों की जाँच करने तथा अपनी किसी भी चिंता का समाधान करने में सक्षम बनाती है।
- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को शामिल करके, **परियोजना का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना** तथा ग्रामीणों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है।
    - **सैटेलाइट इमेजिंग से संभावित फसलों के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिलेगी,** जिससे तुलनात्मक आकलन संभव होगा।
    - किसी भी विसंगति का पता चलने पर सरकारी अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

किसान क्रेडिट कार्ड

- यह योजना वर्ष 1998 में शुरू की गई थी, ताकि किसानों को उनकी कृषि और अन्य आवश्यकताओं जैसे कि बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि जैसे कृषि आगत की खरीद तथा उनकी उत्पादन आवश्यकताओं के लिये नकदी प्राप्त करने हेतु लचीली तथा सरलीकृत प्रक्रियाओं के साथ एकल खिड़की के तहत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त व समय पर ऋण सहायता प्रदान की जा सके।
- वर्ष 2004 में इस योजना को किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता अर्थात संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये आगे बढ़ाया गया।
- बजट 2018-19 में सरकार ने **मत्स्यपालन और पशुपालन** करने वाले किसानों को भी **किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की सुविधा देने की घोषणा की है,** ताकि उनकी कार्यशील पूंजी की ज़रूरतों को पूरा करने में मदद मिल सके।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:**
    - **वाणिज्यिक बैंक**
    - **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB)**
    - **लघु वित्त बैंक**
    - **सहकारी समितियाँ**

जियोफेंसिंग

- जियोफेंसिंग का अर्थ है **"अस्पष्टता द्वारा सुरक्षा"** उपाय, जो वेबसाइट चलाने वालों को पूरी तरह से अप्राप्य रहकर विदेशों से होने वाले **साइबर हमलों के सबसे प्रत्यक्ष रूपों से बचने की अनुमति देता है।**
- जियोफेंसिंग खोज इंजनों को खोजे गए पृष्ठों को अनुक्रमित करने और उन्हें परिणामों में दिखाने में कम प्रभावी बनाती है।

नोट :

मध्य प्रदेश: भारत का बाघ राज्य

चर्चा में क्यों?

- **देश में सबसे ज़्यादा बाघ मध्य प्रदेश में हैं।** देश के वनों में मौजूद लगभग 3,800 बाघों में से 785 मध्य प्रदेश में हैं।
- **वर्ष 2011 से 2018 के बीच थोड़े समय के लिये कर्नाटक** ने बाघों की सर्वाधिक संख्या के मामले में मध्य प्रदेश को पीछे छोड़ दिया था।

मुख्य बिंदु:

- **वर्ष 2022 की बाघ गणना** के अनुसार देश में बाघों की संख्या 3,682 से 3,925 के बीच है, जिसमें से मध्य प्रदेश 785 बाघों के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद क्रमश: कर्नाटक (563), उत्तराखंड (560) और महाराष्ट्र (444) का स्थान है।
- उत्तराखंड का **जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान 260 बाघों** के साथ पूरे देश के सभी बाघ अभयारण्यों में शीर्ष पर है।
- **वन अधिकारियों** के अलावा **जनजातियों और वनवासियों** सहित हितधारकों द्वारा किये गए प्रयासों से भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे **बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण** में सहायता मिली है।
- **पहली बाघ गणना वर्ष 1972 में की गई थी,** जिसमें बाघों की संख्या 1,827 दर्ज की गई थी।
- भारत की बाघ संख्या को आवास की कमी, **अवैध शिकार** और **मानव-वन्यजीव संघर्ष** के कारण गंभीर खतरों का सामना करना पड़ा है
- 20वीं सदी के प्रारंभ में भारत में बाघों की संख्या अच्छी थी लेकिन 1970 के दशक तक उनकी संख्या में चिंताजनक रूप से कमी आ गई थी।
- इसकी अनुक्रिया में सरकार ने **वर्ष 1973 में 'प्रोजेक्ट टाइगर'** शुरू किया, जिसका उद्देश्य बाघों के लिये सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने और शिकार गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु पूरे देश में **बाघ अभयारण्यों** का एक नेटवर्क बनाना था।
- भारत के वनों का **पारिस्थितिक संतुलन और जैवविविधता** बनाए रखना भी परियोजना का एक उद्देश्य था।

बाघ अभ्यारण्य/टाइगर

- **स्ट्राइप्ड बिग कैट्स अर्थात् बाघों** के संरक्षण के लिये नामित संरक्षित क्षेत्र को **टाइगर रिज़र्व** कहा जाता है। हालाँकि, टाइगर रिज़र्व एक राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य भी हो सकता है।
  - उदाहरण के लिये: **सरिस्का टाइगर रिज़र्व** भी एक **राष्ट्रीय उद्यान** है। ऐसा इसलिये है क्योंकि इस जगह को मूल रूप से एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बनाया गया था और बाद में इसे **बाघ संरक्षण के लिये समर्पित** कर दिया गया।
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** की सलाह पर **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 38V** के प्रावधानों के अनुसार **राज्य सरकारों** द्वारा बाघ रिज़र्वों को अधिसूचित किया जाता है।
- वर्तमान में भारत में **कुल 54 बाघ अभयारण्य** हैं (जिनमें सबसे हालिया अभयारण्य **धौलपुर-करौली बाघ अभयारण्य** है)।

स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल होगा 'आपातकाल' अध्याय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव** ने राज्य के **स्कूली पाठ्यक्रम में आपातकाल** पर **एक अध्याय जोड़ने**/सम्मिलित करने की घोषणा की।

- इस अध्याय में **आपातकाल के दौरान किये गए "उल्लंघन और दमन"** के बारे में बताया जाएगा, जिसे भारत सरकार ने **वर्ष 1975** में लगाया था।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- इस कदम के पीछे का उद्देश्य **वर्तमान पीढ़ी को वर्ष 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान संघर्ष से अवगत कराना** है।
- मुख्यमंत्री ने **आपातकाल के खिलाफ संघर्ष में भाग लेने वाले 'लोकतंत्र सेनानियों'** के लिये कई **अतिरिक्त सुविधाओं की घोषणा** की।
    - लोकतंत्र सेनानियों को **गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले में एयर एंबुलेंस की सुविधा** दी जाएगी तथा आपातकाल विरोधी योद्धाओं को **किराए में 25% की छूट** दी जाएगी।
    - लोकतंत्र सेनानियों का **राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने के लिये सभी प्रबंध** किये जाएंगे। अंतिम संस्कार के समय उनके परिजनों को दी जाने वाली राशि को **मौजूदा 8,000 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए** किया जाएगा।
    - **लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को** उद्योग या अन्य व्यवसाय स्थापित करने के लिये आवश्यक प्रशिक्षण देकर **रोज़गार के अवसर** उपलब्ध कराए जाएंगे।
- 25 जून, 1975 को तत्कालीन **प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी** ने देश में आपातकाल लागू कर दिया था, विपक्षी नेताओं और असंतुष्टों को जेल में डाल दिया गया था तथा **प्रेस सेंसरशिप** लागू कर दी गई थी। इस वर्ष इस अवधि की 50वीं वर्षगाँठ मनाई गई।

आपातकाल (Emergency)

- **आपातकालीन प्रावधान भारतीय संविधान के भाग XVIII** में **अनुच्छेद 352 से 360 तक** निहित हैं।
- **राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352)**
    - यह प्रावधान राष्ट्रपति को आपातकाल की स्थिति घोषित करने का अधिकार देता है, यदि वह संतुष्ट हो कि **देश या इसके किसी भाग की सुरक्षा युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण खतरे में** है।
- **राज्य आपातकाल (अनुच्छेद 356)**
    - अनुच्छेद 356 राष्ट्रपति को राज्य में **राष्ट्रपति शासन** लागू करने का अधिकार देता है, यदि वह संतुष्ट हो कि **राज्य में सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती** है।
    - यह प्रावधान **राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने या व्यवधान/अवरोध की स्थिति उत्पन्न होने पर** लागू किया जाता है, जिससे संघ को राज्य का शासन अपने अधीन करने की अनुमति मिलती है।
- **वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360)**
    - यह प्रावधान **राष्ट्रपति को वित्तीय आपातकाल की स्थिति घोषित करने की अनुमति** देता है, यदि वह संतुष्ट हो कि भारत या उसके किसी भाग की वित्तीय स्थिरता या ऋण को खतरा है।

मध्य प्रदेश के स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग विभिन्न **पर्यटन** स्थलों पर **फूड फेस्टिवल** का आयोजन कर रहा है, जहाँ मेहमानों को स्थानीय व्यंजन परोसे जाएंगे।

- इस पहल का उद्देश्य मध्य प्रदेश (MP) में पर्यटकों को आकर्षित करना है, जो अपनी **विविध पारंपरिक और आदिवासी पाककला के लिये प्रसिद्ध है।**

मुख्य बिंदु

- फूड फेस्टिवल में आम, शरीफा से बने व्यंजनों के अलावा **दाल माझा, मालवा भोजन, नवाबी बिरयानी और परांठे** जैसे पारंपरिक व्यंजन भी पेश किये जाएँगे।
  - यह महोत्सव अलग-अलग तिथियों पर आयोजित किया जाएगा और पूरे वर्ष तक चलेगा।
- केरवा में **मानसून फूड फेस्टिवल**, पचमढ़ी में कस्टर्ड एप्पल और बिरयानी फेस्टिवल, माण्डू में मालवा फूड फेस्टिवल, सैलानी में सी फूड, उज्जैन में देसी दाल बाजरा, ग्वालियर में बाजरा तथा स्थानीय व्यंजन, **शिवपुरी में स्ट्रीट फूड** एवं **खज़राहो में बुंदेली फूड** आदि का आयोजन किया जाएगा।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

नोट :